

READER

READER : (1) पाठक (f. ठिका), *a r. is a religious lecturer* : पाठको धर्मभाषकः, T.s. ; (2) पठित्तिन् (f. नी : rare), *a careless r.* : हठेन पठित्ति, N. xxii. 154. ; (3) वाचक (f. चिका = one who reads out, such as letter), *public r.* : पुस्तक-वाचकः, C. iii. ; (4) अध्येतु (f. त्री = one who has studied).

READILY : I. Willingly, cheerfully : q.v. : सोत्साहम्. II. Quickly, promptly : q.v. : अचिरेण. III. Easily : q.v. : सुखेन.

READINESS : I. Willingness, cheerfulness : (1) सोत्साहता ; (2) उत्सुकता or औत्सुक्यम् : v. Also promptitude, quickness. II. Facility, dexterity : q.v. : लाघवम्. III. State of preparation : (1) सज्जितता ; (2) प्रस्तुतता ; (3) better by adj.

READING : I. Perusal : पठनम् or पाठः, *incessant r. of the Vedas* : अश्रान्तश्रुतिपाठः, N. ; *r.-room* : पाठशाला. II. Studying : अध्ययनम्, *r. with Yājñavalkya* : योगीश्वराध्ययनम्, An. ; *r., teaching sacrificing* : अध्ययनमभ्यापनं यजनम्, Vas. III. R. out as letters : वाचनम्, निर्-. IV. Scholarship, learning : q.v. V. A. lecture or recital : पाठः, *morning r.* : प्राभातिकपाठः, C. ii. VI. Section, version : पाठः, *an erroneous r.* : भ्रममूलकः पाठः, Va. com.

READING-BOOK : पाठ्यपुस्तकम्, and sim. comp.s.

READY : I. Prepared : (1) सज्ज (f. ज्ञा) or सज्जित (f. ता), *be r.* : सज्जा तावद्भव, Sa. iv. ; *when the equipments were being got r.* : सज्जी-क्रियमाणे साधने, K. ii. ; (2) प्रस्तुत (f. ता) ; (3) कल्पित, परि-, उप-, (f. ता = only of things). II. Willing, cheerful : q.v. : (1) उत्सुक (f. का), परि- ; (2) उत्साहवत् (f. ती). III. On the point of, about : q.v. : (1) उद्यत (f. ता) ; (2) उन्मुख (f. खा). IV. Quick, prompt : of *r. wit* : प्रत्युत्पन्नमति (mf. n.) ; of *r. apprehension* : तीक्ष्णबुद्धि (mf. n.). V. Near, short : q.v. Ph. : *r. money* : टङ्कः and an adv. तत्कालम् (= at the time) or हस्ते (= in hand).

REAL : I. True, genuine : q.v. : (1) सत्यः (ता, तं), *a r. elephant* : सत्यगजः, K. s. xii. 16. ; (2) अत (f. ता : rare), *coupling the r. and the*

unreal : सत्यान्ते मिथुनीकृत्य ; (3) प्रकृत (f. ता) (4) वास्तव (f. वा) or वास्तविक (f. की). II. In law : (1) स्यावर (f. रा) ; (2) जङ्गमेतर (f. रा) : v. Property.

REALGAR : i.e. red orpiment : रक्तधातुः.

REALIST : *यथार्थिक (f. की) ; व्याप्तिज्ञानवादिन् (f. नी).

REALITY : I. The condition : (1) सत्यता ; (2) प्रकृतता ; (3) वास्तविकता ; (4) व्यलीकता ; (5) अकृत्रिमता. Ph. : *in r.* : तत्त्वतः, K. xviii. 27. II. Anything real : सत्यम् : v. Real. (1).

REALIZATION : I. Accomplishment : q.v. : साधनम्. II. Of ideas etc. : अनुभवः or अनुभूतिः.

REALIZE : I. To accomplish : q.v. : साधयति (c. of साध्). II. To feel vividly : अनुभवति, *as if r. ing the pain* : वेदनामनुभवन्निव, Ki. iii. 69. III. To convert into real property : expr. by circumlo.

REALLY : I. In truth : (1) यथार्थतः ; (2) परमार्थतः ; (3) सत्यम्. II. In reality : (1) तत्त्वतः ; (2) वस्तुतः (= in fact), S. p. b. 1. 69.

REALM : राष्ट्रम् : v. Kingdom, province.

REAM : of paper : *रीमम् ; पोत्रम्.

REANIMATE : I. To cheer, gladden : q.v. : प्रत्याश्वासयति (c. of श्वस्). II. To revive : (1) पुनर् उज्जीवयति (c. of जीव्) ; (2) सज्जीवयति.

REAP : I. Lit. : (1) लुनाति (लृ. c. 9.), *r. ing machine* : लवित्रम् ; (2) छिनत्ति (छिद्, c. 7.), *time for r. ing crops* : शस्यछेदनकालः, Nil. on Mah. ii. 5. 64. : Also to gather. II. To get : q.v. : लभते (लभ्, c. 1.) : v. To sow.

REAPER : I. The man : (1) लावक (f. विका) or लाव (f. वा) ; *flower-r.* : पुष्पलावी, Me. i. 27. ; (2) शस्यच्छेदक (f. दिका : of crops). II. A machine : लवित्रम्.

REAPING-HOOK : लवित्रम् : v. Sickle.

REAPPEAR : पुनर् आविर्भवति etc. : v. To appear, again.

REAR (subs.) : I. The back : q.v. : पृष्ठम्. II. Of an army : (1) पृष्ठम्, *on the r.* : अनुपृष्ठम्, Ka. xix. 36. ; (2) पार्श्विणः, *with the r. guarded* : शुद्धपार्श्विणः, R. iv. 26. Ph. : *or shall put the r. in disorder and attack the front with the pick*